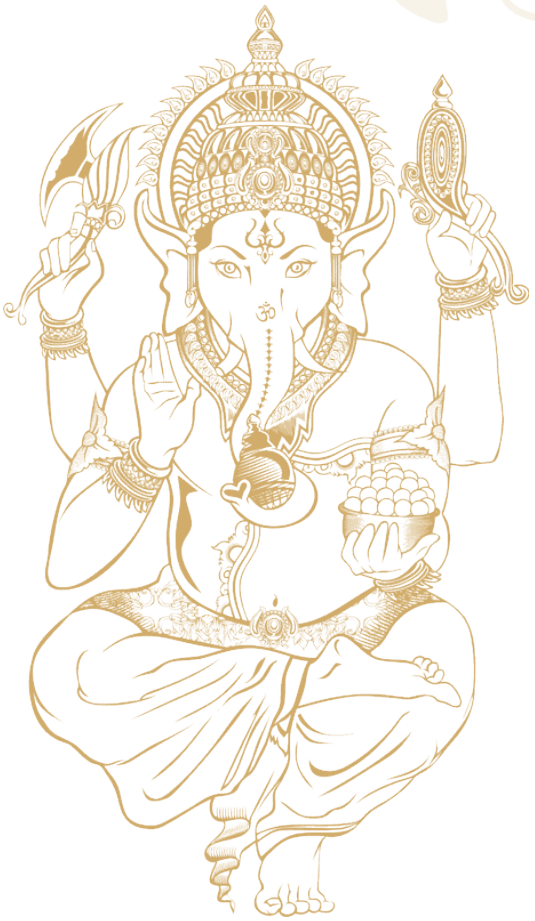

03 Jul 1987

04:31 AM

Hissar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121120602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**2-03/07/1987**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:31:00 घंटे**
इष्ट	57:28:20 घटी
स्थान	**Hissar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:10:00 उत्तर
रेखांश	75:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:04:00 घंटे
वेलान्तर	-00:03:51 घंटे
साम्पातिक काल	22:45:47 घंटे
सूर्योदय	05:31:40 घंटे
सूर्यास्त	19:29:58 घंटे
दिनमान	13:58:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	16:50:41 मिथुन
लग्न के अंश	02:06:09 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वरियान
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	02:06:09	337:58:42	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	---
सूर्य			मिथु	16:50:41	00:57:12	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			कन्या	00:42:48	12:17:14	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	मित्र राशि
मंगल			कर्क	03:55:41	00:38:22	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध	व	अ	मिथु	18:44:13	00:36:32	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	स्वराशि
गुरु			मेष	02:31:38	00:08:17	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	02:48:52	01:13:18	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		वृश्चि	22:30:42	00:03:50	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	12:39:55	00:00:47	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	12:39:55	00:00:47	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	00:23:17	00:02:19	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
नेप	व		धनु	12:49:51	00:01:37	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	13:31:54	00:00:30	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	16:13:26	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:55

लग्न-चलित

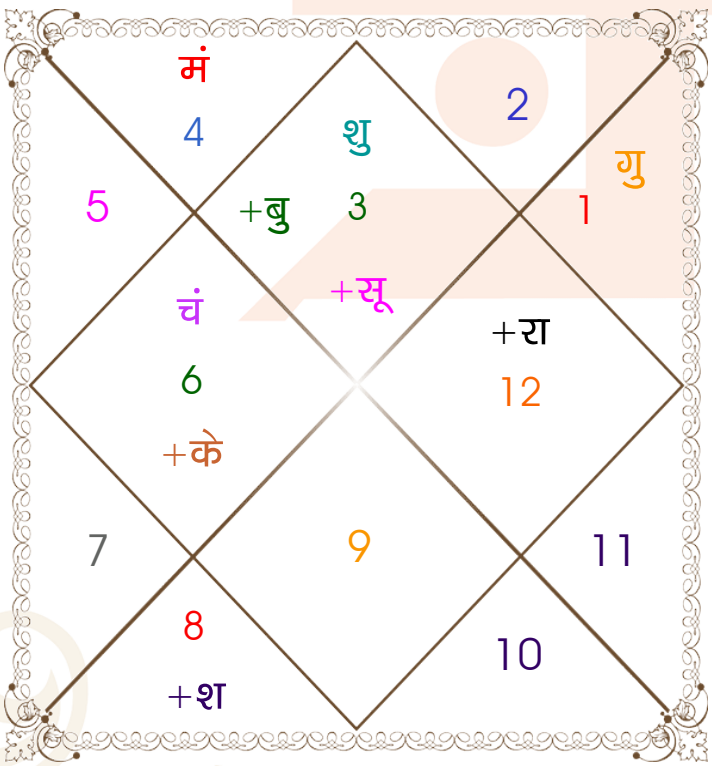

चन्द्र कुंडली

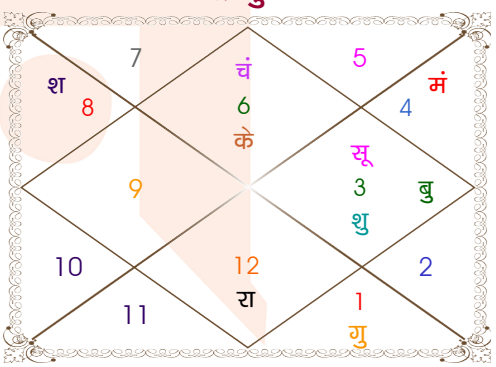

नवमांश कुंडली

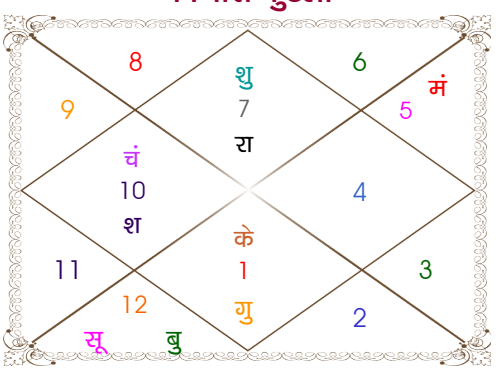

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 2 मास 4 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
03/07/1987		06/09/1991		06/09/2001		05/09/2008		06/09/2026	
06/09/1991		06/09/2001		05/09/2008		06/09/2026		06/09/2042	
	00/00/0000	चंद्र	06/07/1992	मंगल	02/02/2002	राहु	19/05/2011	गुरु	24/10/2028
	00/00/0000	मंगल	04/02/1993	राहु	20/02/2003	गुरु	12/10/2013	शनि	07/05/2031
	03/07/1987	राहु	06/08/1994	गुरु	27/01/2004	शनि	18/08/2016	बुध	12/08/2033
राहु	24/09/1987	गुरु	06/12/1995	शनि	07/03/2005	बुध	07/03/2019	केतु	19/07/2034
गुरु	13/07/1988	शनि	07/07/1997	बुध	04/03/2006	केतु	25/03/2020	शुक्र	19/03/2037
शनि	25/06/1989	बुध	06/12/1998	केतु	31/07/2006	शुक्र	26/03/2023	सूर्य	05/01/2038
बुध	01/05/1990	केतु	07/07/1999	शुक्र	30/09/2007	सूर्य	17/02/2024	चंद्र	07/05/2039
केतु	06/09/1990	शुक्र	07/03/2001	सूर्य	05/02/2008	चंद्र	18/08/2025	मंगल	12/04/2040
शुक्र	06/09/1991	सूर्य	06/09/2001	चंद्र	05/09/2008	मंगल	06/09/2026	राहु	06/09/2042

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/09/2042		06/09/2061		06/09/2078		06/09/2085		07/09/2105	
06/09/2061		06/09/2078		06/09/2085		07/09/2105		00/00/0000	
शनि	09/09/2045	बुध	02/02/2064	केतु	02/02/2079	शुक्र	05/01/2089	सूर्य	25/12/2105
बुध	19/05/2048	केतु	29/01/2065	शुक्र	03/04/2080	सूर्य	05/01/2090	चंद्र	26/06/2106
केतु	28/06/2049	शुक्र	30/11/2067	सूर्य	09/08/2080	चंद्र	06/09/2091	मंगल	01/11/2106
शुक्र	27/08/2052	सूर्य	06/10/2068	चंद्र	10/03/2081	मंगल	05/11/2092	राहु	04/07/2107
सूर्य	09/08/2053	चंद्र	07/03/2070	मंगल	06/08/2081	राहु	06/11/2095		00/00/0000
चंद्र	10/03/2055	मंगल	04/03/2071	राहु	25/08/2082	गुरु	07/07/2098		00/00/0000
मंगल	18/04/2056	राहु	21/09/2073	गुरु	01/08/2083	शनि	07/09/2101		00/00/0000
राहु	23/02/2059	गुरु	28/12/2075	शनि	08/09/2084	बुध	07/07/2104		00/00/0000
गुरु	06/09/2061	शनि	06/09/2078	बुध	06/09/2085	केतु	07/09/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 1 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।